MT - 114

2014 .... 1100 **Seat No.** | | | | | | | |

MT 114 - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - II - PAPER - IV

Time : 3 Hours **(Pages 6)** **Max. Marks : 80**

सूचना - शुद्ध भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

प्रश्न 1. अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए : **2**

1. व्याकरण का उद्देश्य ----------
   (अ) वाणी की शुद्धि माना गया है।
   (ब) शब्दों की शुद्धि माना गया है।
   (क) विचारों की सरलता माना गया है।

2. पंडित परमसुख ने रामू की माँ से कहा कि मुँह न मोड़ो ----------
   (अ) अपनी भोली बहू से।
   (ब) धार्मिक-क्रिया कर्म के लिए आवश्यक खर्चे से।
   (क) मिसरानी द्वारा दी हुई मौलिक सलाह से।

आ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित गद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए। पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखांकित कीजिए : **3**

1. सब लोग ..... से होटल के बाहर जमा हो गए थे।
2. उस समय वह ..... करने के मूड में था।
3. वे तो बस, आए और ..... उठाकर चले ही गए।

इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर केवल <u>एक - एक</u> <u>वाक्य</u> में लिखिए : **3**

1. सपने की संपत्ति की भाँति कौन अदृश्य हो गए ?
2. पलाश को 'पर्णपाती वृक्ष' क्यों कहा जाता है ?
3. प्रीति मोंगा को आँख की बीमारी का पता किस उम्र में और कहाँ चला ?
4. मुख्यमंत्री ने किन व्यंजनों की भरपूर तारीफ की ?
5. महंत ने नगर की असलियत जानने पर क्या फैसला किया ?

ई) **निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य को किसने किस संदर्भ में कहा है ? पठित गद्यपाठों के आधारपर लिखिए :** **2**

1. ''हुजूर, भ्रष्टाचार से तो गृहस्थी चलती है।''
2. ''यह राह चलते यात्रियों का शिकार करते हैं।''

उ) **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप (60 -70 शब्दों) में लिखिए :** **9**

1. मैनेजर ने कूर्मांचल की कौन-सी करुण लोककथा लोगों को सुनाई ?
2. राजकुमार पर संन्यासी के गाने का क्या प्रभाव पड़ा ?
3. कबरी बिल्ली ने रामू की बहू को किस प्रकार तंग कर रखा था।
4. पलाश के फूलों से रंग किस प्रकार बनाया जाता है ? उसकी क्या विशेषताएँ होती हैं ?
5. आँख की बीमारी का पता चलने पर इस परिस्थिति का सामना प्रीति के परिवारवालों ने कैसे किया ?

ऊ) **निम्नलिखित पठित गद्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए :** **3**

''भष्टाचार के घूसरेट फिक्स हैं। अगर तू बीस सेर में दस सेर दूध लाता है तो पाँच रुपए हफ्ता देना पड़ेगा। ज्यादा जल डालेगा तो हफ्ते के रेट भी बढ़ जाएँगे।''

''अगर मैं बिल्कुल न मिलाऊँ तो ?''

चपरासी खीझ जाता। कहता, ''अबे, पानी तो मिलाया ही कर। वरना तू क्या खाएगा और हम क्या खाएँगे? हमारे साहब को भी दूध में पानी मिलाने में एतराज नहीं है। उन्हें एतराज है, हफ्ता न देने का। अब तू जा और दूसरे दूधवालों को भी समझा दे। मिल-जुलकर जो होता है, वह भ्रष्टाचार नहीं होता।''

1. चपरासी के अनुसार हफ्ते के रेट कब बढ़ेंगे ?
2. चपरासी दूधवाले को किस बात के लिए उकसाता है ?
3. चपरासी सामूहिक भ्रष्टाचार का समर्थन कैसे करता है ?

प्रश्न 2. क) निम्नलिखित पद्यपंक्तियों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित पद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए : **3**

1. क्षितिज अटारी गहराई ..... दमकी ।
2. रक्त वर्षों से ..... में खौलता है।
3. गुण ही जन - मन ....., ताज हो।

ख) **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर केवल <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए :** **3**

1. जीवन रूपी झरने के दोनों तीर कौन - कौन - से हैं ?
2. किन स्थितियों में हम अभिन्न तथा विभिन्न हो गए थे ?
3. ब्रज की नारियाँ यशोदा माँ को कौन - सा ताना देती हैं ?

ग) निम्नलिखित पठित पद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए : **3**

''शोषित कोई कहीं न जन रहे,
पीड़न - अन्याय अब न मन सहे ,
जीवनशिल्पी प्रथम, प्रधान हो !''

1. जनमन को अब क्या नहीं सहना चाहिए ?
2. समाज में कैसे लोग शेष नहीं रहने चाहिए ?
3. प्रस्तुत पद्यांश किस पद्य से लिया गया है?

घ) निम्नलिखित पठित पद्यखंड का सरल गद्यार्थ लिखिए : **3**

मैया मैं तो चंद खिलौना लैहों ।
धौरी को पय-पान न करिहौं, बेनी सिर न गुथैहौं ।

ङ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए : **6**

1. यशोदा कृष्ण को लालच दिखाती हैं ? और उसपर कृष्ण क्या प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं ?
2. कबीर जी ने ईश्वर से जीवन चलाने हेतु क्या माँगा है ?
3. गजलकार दुष्यंत कुमार ने आम आदमी की मजबूरियों को किन शब्दों में अभिव्यक्त किया है ?

प्रश्न.3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पूरक पाठों के आधार पर 70 - 80 शब्दों में लिखिए : **8**

1. आठ कमरोंवाले मकान की अभिलाषा रखने वाले बंधु के दुख को स्पष्ट कीजिए ।
2. रामकृष्ण परमहंस ने नवयुवक को मुक्ति का क्या मार्ग बतलाया ?
3. लक्खी सराय के बालिका विद्यापीठ की क्या जानकारी दी गई है ?
4. तुलसी का धार्मिक महत्त्व और सामाजिक उपयोगिता क्या है ?

अथवा

निम्नलिखित पठित पूरक पाठों में से किसी एक का सार लिखिए :

1. अपनी - अपनी बीमारी
2. तुलसी का बिरवा

प्रश्न.4. च) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द का स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए : **1**

1. साथ 2. अथवा

छ) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद लिखिए : **1**

1. हाँ, तुम्हारी बात ठीक है ।
2. श्वेत हिम जमा हुआ था ।

ज) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए : 1

1. राजकुमार घोड़ा भगाता है। (पूर्ण वर्तमानकाल)
2. वे गर्व महसूस करते हैं। (पूर्ण भूतकाल)

झ) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए : 1

1. उसके आँसुओं ने स्पीड पकड़ ली।
2. वह बहुत निराश होकर रोने लगा।

अथवा

निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया का सहायक क्रिया के रूप में अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए।

1. मरना 2. गिरना

ट) निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए : 1
लिखिए।

1. देखना 2. गिरना

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रियारूप छाँटकर उसका प्रकार लिखिए :

1. राजेश ने सीटी बजाई।
2. रमा ने नीतू से कहकर परेश से पत्र भिजवाया।

ठ) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 2

1. तुम पश्चिम के ओर जाते है।
2. सबने आखिर चैन का साँस लिया।
3. यह बड़ी फलों का बाग है।

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों के लिए योग्य विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए :

1. मैंने कहा भैया मत रोओ सिर दुखेगा
2. इसे संस्कृत में किंशुक (क्या यह शुक है) कहा गया है
3. ये बरगद नीम पीपल आदि के समान फैले हुए होते हैं

(ड) **निम्नलिखित मुहावरों में से <u>किन्हीं तीन</u> मुहावरों के हिंदी में अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण एवं स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए:** **3**

1. जान के लाले पड़ना ।
2. निगाह तक न डालना
3. मन अकुला उठना
4. बस चलना
5. मोल लेना

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं तीन</u> वाक्यों में अधोरेखांकित वाक्यांशों के बदले कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से योग्य मुहावरे का प्रयोग करके शुद्ध वाक्य फिर से लिखिए :

(पैर पकड़ना, ताँता बँधा रहना, सिहर उठना, कान खड़े रहना, जान में जान आना)

1) गाँधीजी के दर्शन के लिए आश्रम में हमेशा लोगों की भीड़ लगी रहती थी ।
2) मानसून की वर्षा आरंभ हुई तब कहीं जाकर किसानों को धीरज प्राप्त हुआ ।
3) सीमा पर देश की रक्षा के लिए हमारे जवान सदा सचेत रहते हैं ।
4) एकाएक डाकू को सामने देखकर मुनीम भयभीत हो गया ।
5) मोहन ने अपनी गलती के लिए पिता से माफी माँगी ।

प्रश्न.5. निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर लगभग 150-200 शब्दों तक निबंध लिखिए : **10**

1. भ्रष्टाचार ।
2. मेले में दो घंटे ।
3. एक फटी पुस्तक की आत्मकथा ।
4. यदि समाचार पत्र न होते .....

प्रश्न.6. (त) निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से <u>किसी एक</u> पत्र का लिफाफे सहित प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए : **4**

सुंदर / सुंदरी शर्मा, 15 /अ, शिवपुरी, नासिक से अपने प्रधानाध्यापक तिलक विद्यालय, इंद्रापथ, नाशिक के नाम अपनी बहन की बीमारी के कारण पाठशाला में तीन दिन की छुट्टी माँगने के लिए पत्र लिखता / लिखती है ।

अथवा

करन / करिश्मा वेद, बगीचा बिल्डिंग, कोल्हापुर से सार्वजनिक गणेशोत्सव के समय 24 घंटे ऊँची आवाज में रेकार्ड बजाने के कारण अध्ययन में बाधा पड़ती है, अतः उसकी ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए शहर कोतवाल, शहर विभाग, कोल्हापुर के नाम पत्र लिखता / लिखती है ।

अथवा

निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए ।

बाजार में बेचने के लिए 'वाशिंग पाउडर' का प्रचार करना है ।

(थ) **निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए । यह भी दर्शाइए कि उससे क्या सीख मिलती है ।** **4**

रूपरेखा : लोमड़ी और सारस में मित्रता – सारस का लोमड़ी को सताने का विचार – दावत देना – थाली में खीर परोसना – लंबी चोंच – सारस का भूखा रहना – सारस का बदला लेना – लोमड़ी को दावत – सुराही में खीर परोसना – लोमड़ी का भूखा रहना – सीख ।

(द) **निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे <u>चार प्रश्न</u> तैयार कीजिए, जिनके उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में हो :** **4**

एक बार भगवान बुद्ध का प्रचारक घूम रहा था । उसे एक भिखारी मिला । वह प्रचारक उसे धर्म का उपदेश देने लगा । उस भिखारी ने उसकी तरफ ध्यान नहीं दिया । उसमें उसका मन ही नहीं लगता था। प्रचारक नाराज हुआ । बुद्ध के पास जाकर बोला, 'वहाँ एक भिखारी बैठा है, मैं उसे इतने अच्छे - अच्छे सिखावन दे रहा था, तो भी वह सुनता ही नहीं'। 'बुद्ध ने कहा, 'उसे मेरे पास लाओ' यह प्रचारक उसे बुद्ध के पास ले गया । भगवान बुद्ध ने उसकी दशा देखी । उन्होंने ताड़ लिया कि भिखारी तीन - चार दिनों से भूखा है । उन्होंने उसे पेट भरकर खिलाया और कहा, 'अब जाओ ।' प्रचारक ने कहा, आपने उसे खिला तो दिया, लेकिन उपदेश कुछ भी नहीं दिया ।' भगवान बुद्ध ने कहा, ''आज उसके लिए अन्न ही उपदेश था । आज उसे अन्न की सबसे ज्यादा जरूरत थी । वह उसे पहले देना चाहिए । अगर वह जिएगा तो कल सुनेगा ।''

Best of Luck

MT - 114

2014 1100

MT 114 - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - II - PAPER - IV

Time : 3 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 80**

उ.**1**.	अ) **निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए :**	
1.	व्याकरण का उद्देश्य **वाणी की शुद्धि माना गया है।**	**1**
2.	पंडित परमसुख ने रामू की माँ से कहा कि मुँह न मोड़ो **धार्मिक–क्रिया कर्म के लिए आवश्यक खर्चे से।**	**1**
	आ) **निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित गद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए। पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखांकित कीजिए :**	
1.	सब लोग **मुस्तैदी** से होटल के बाहर जमा हो गए थे।	**1**
2.	उस समय वह **आत्महत्या** करने के मूड में था।	**1**
3.	वे तो बस, आए और **बरतन** उठाकर चले ही गए।	**1**
	इ) **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए :**	
1.	घुड़सवार के सामने पड़े कितने ही ईख के खेत, ढाक के वन और पहाड़ सपने की संपत्ति की भाँति अदृश्य हो गए।	**1**
2.	पलाश के सभी पत्ते वर्ष में एक बार गिर जाते हैं और यह पर्णविहीन हो जाता है, इसलिए इसे 'पर्णपाती वृक्ष' कहा जाता है।	**1**
3.	प्रीति मोंगा को आँख की बीमारी का पता छह वर्ष की उम्र में उसकी पाठशाला में चला।	**1**
4.	मुख्यमंत्री ने मक्के की रोटी और सरसों के साग की भरपूर तारीफ की।	**1**
5.	महंत ने नगर की असलियत जानने पर वह नगर छोड़कर चले जाने का फैसला किया।	**1**
	ई) **निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य को किसने किस संदर्भ में कहा है ? पठित गद्यपाठों के आधारपर लिखिए :**	
1.	रिश्वतखोर फूड इन्स्पेक्टर सप्ताह में एक बार शहर के बाहर नाके पर खड़ा हो जाता और देहात से दूध लाने वाले ग्वालों के दूध में डिग्री लगाता था। यदि दूध में पानी की मिलावट पाई जाती है तो वह सैंपल की बोतल भरकर ग्वाले से अदालत में मिलने के लिए कहता है। तब ग्वाला उससे खुद को बचाने की प्रार्थना करता है।	**2**

इस बात पर फूड इन्स्पेक्टर भी ग्वाले से दूध में पानी की मिलावट रूपी भ्रष्टाचार छोड़ देने की बात कहता है। यह सुनकर ग्वाला उसे अपनी प्रतिक्रिया देता है कि ''हुजूर, भ्रष्टाचार से तो गृहस्थी चलती है।''

2. संन्यासी रात को अपने साथ शिकारी राजकुमार को लेकर बाहर गए थे तो उन्होंने राजकुमार को एक टीले पर दस बारह ऐसे .लोगों को दिखाया, जो हथियारों से लैस थे और चरस पी रहे थे। राजकुमार ने जब उनसे पूछा कि क्या ये शिकारी हैं, तो संन्यासी ने जवाब में उनसे यह वाक्य कहा था। **2**

उ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप (60 -70 शब्दों) में लिखिए :

1. सुप्रसिद्ध लेखक 'धर्मवीर भारती' जी ने 'कूर्मांचल में कुछ दिन' नामक यात्रा - संस्मरण पाठ में हिमालय का द्वार समझे जाने वाले 'कूर्मांचल' के प्राकृतिक सौंदर्य का हृदयस्पर्शी वर्णन किया है। **3**

बँगले के लॉन में बैठे लोगों को एक चिड़िया की 'जुहो! जुहो! जुहो!' रट सुनाई दी। उसके बारे में लोगों की जिज्ञासा देखकर मैनेजर ने उस इलाके में प्रचलित एक लोककथा का वर्णन करते हुए बताया कि किसी जमाने में वहाँ के पहाड़ों में एक अत्यधिक सुंदर कन्या थी। अत्यधिक गरीबी के कारण पिता ने उसका विवाह मैदानी इलाकों में कर दिया। वर्षा तथा सर्दी के महीने तो लड़की ने ससुराल में किसी तरह काट लिए परंतु गर्मी आते ही वह तड़प उठी। उसने नैहर जाने की प्रार्थना की परंतु उसकी सास और ननद ने इससे इनकार कर दिया। लड़की का शृंगार, खाना - पीना सब छूट गया तब उसने सास से गिड़गिड़ाते हुए कहा, 'जुहो?(जाऊँ)' तो सास ने निष्ठुरता से कहा, 'भोल जाला (कल सुबह जाना)।' इस तरह टालते - टालते कई दिन बीतते गए और चिलचिलाती कड़ी धूप में जानलेवा लू चलने लगी। लड़की ने अंतिम बार अनुमति माँगी तो सास ने फिर वही जवाब दोहराया। अंततः एक शाम उस लड़की ने एक पेड़ के नीचे अंतिम साँस ली। तबसे कूर्मांचल के जंगलों में एक चिड़िया दर्द भरे स्वर में बार- बार 'जुहो ? जुहो ? जुहो ?' बोलती है और फिर एक पक्षी का कर्कश स्वर सुनाई देता है- 'भोल जाला', जिसे सुनकर वह चिड़िया मौन हो जाती है।

बँगले के मैनेजर ने वहाँ उपस्थित लोगों को कूर्मांचल की यह करुण लोककथा सुनाई।

2. अमर कहानीकार 'प्रेमचंद' जी ने 'शिकारी राजकुमार' पाठ में स्वार्थलोलुप, हिंसक, विलासी शासकों को फटकारते हुए जनकल्याण के प्रति शासक के धर्म पालन की उम्मीद जताई है। **3**

संन्यासी के कुटी के आसपास के मनमोहक वातावरण में राजकुमार को अनोखी खुशी मिल रही थी। ऐसे माहौल में संन्यासी ने कोयल के स्वर में सूरदास का एक प्रसिद्ध भजन गाया। राजकुमार ने बड़े - बड़े कलाकारों के गाने सुने थे किंतु आज जैसा आनंद उसे पहले कभी प्राप्त नहीं हुआ था। इस भजन ने राजकुमार को मंत्रमुग्ध कर दिया और वह संन्यासी का भक्त बन गया। राजकुमार को वहाँ का सारा दृश्य स्वर्ग के सुख के समान आनंददायक लगने लगा। संन्यासी के प्रेम और वैराग्य राजकुमार को उसका प्रशंसक बना दिया। उसे लगा कि संन्यासी के आश्रम में जो सुख है, वह संसार में कहीं नहीं है।

	उसने स्वीकार किया कि यदि वह गृहस्थी के बंधन में न पड़ा होता तो वह संन्यासी का साथ छोड़कर कभी भी कहीं नहीं जाता । इस प्रकार राजकुमार पर संन्यासी के गाने का अद्‌भुत प्रभाव पड़ा ।	
3.	लेखक 'भगवतीचरण वर्मा'जी ने 'प्रायश्चित' पाठ के माध्यम से धर्म के नाम पर श्रद्‌धा और विश्वास के साथ खिलवाड़ करने वाले लोगों की स्वार्थभरी मानसिकता पर करारा व्यंग्य किया है । रामू की बहू मायके से प्रथम बार ससुराल आई । वह बालिका जैसी अबोध व भोली थी । पति की प्यारी व सास की दुलारी । सास ने घर -भर की सारी जिम्मेदारी बहू को सौंप दी और माला लेकर पूजा पाठ में मन लगाने लगी । भंडारघर की चाबी बहू की करधनी में लटकने लगी । नौकरों पर उसका हुक्म चलने लगा । बहू से कभी भंडारघर खुला रह जाता तो कबरी बिल्ली को मौका मिल जाता और वह घी दूध पर जुट जाती । रामू की बहू हाँड़ी में घी रखते - रखते ऊँघ गई और बचा हुआ घी कबरी के पेट में । रामू की बहू दूध ढँककर मिसरानी को कुछ सामान देने गई और दूध नदारद । रामू की बहू ने रामू के लिए कमरे में खड़ी से भरी कटोरी रखी । रामू जब तक आए तब तक कबरी बिल्ली कटोरी में रखी खड़ी को चट कर गई । बाजार से मलाई मँगवाई गई जब तक रामू की बहू ने पान लगाया इतने में मलाई गायब । इस प्रकार रामू की बहू को कबरी बिल्ली ने इतना तंग किया कि उसकी जान आफत में आ गई ।	3
4.	लेखक डॉ. 'परशुराम शुक्ल' जी द्‌वारा लिखित पाठ 'पलाश' में पलाश के वृक्ष का सरल, सुलभ भाषा में बहुत ही सुंदर ढंग से परिचय कराया गया है । पलाश के फूल नारंगीपन लिए लाल रंग के होते हैं । इन फूलों को रातभर पानी में भिगोकर अगले दिन उबालकर छान लेते हैं । पानी में घुलकर ये केसरिया रंग देते हैं और इसमें रासायनिक पदार्थ नहीं होते। अतः यह त्वचा को कोई हानि नहीं पहुँचाता । इन दिनों बाजारों में उपलब्ध रंगों में रासायनिक पदार्थ मिले होते हैं, जो हमारी त्वचा के लिए बहुत ही हानिकारक होते हैं । पलाश के फूलों से बना रंग होली के अवसर पर उत्तर भारत में उपयोग किया जाता है । आदिवासी अंचलों में आज भी होली के समय पलाश के फूलों से तैयार किए गए रंग से ही होली खेली जाती है । इस प्रकार पलाश के फूलों से बना रंग हमारी त्वचा के लिए अत्यधिक लाभदायक है ।	3
5.	'सफलता की चुनौतियाँ' पाठ में प्रीति मोंगा के साक्षात्कार द्‌वारा शारीरिक कमजोरी पर विजय पाकर जिंदगी में कामयाबी के प्रति नए दृष्टिकोण को प्रस्तुतकिया गया है । छह वर्षीय प्रीति जी को पाठशाला में बताया गया कि उन्हें आँख की बीमारी है और कुछ समय बाद वे पूरी तरह से दृष्टिहीन हो जाएगी । उनकी दृष्टिहीनता की जानकारी उन्हें अगरतला में हुई । वहाँ इस बीमारी के उपचार की कोई पर्याप्त सुविधा ही नहीं थी । इस जानकारी ने प्रीति जी को और उनके माता - पिता को बहुत दुखी कर दिया परंतु इससे उनके घर के वातावरण में कभी कोई परिवर्तन नहीं आया । घर के माहौल में बदलाव लाकर घरवाले प्रीति जी के दुःख को बिलकुल भी बढ़ाना नहीं चाहते थे । इसलिए उन्होंने सामान्य व्यवहार ही बनाए रखा । प्रीति जी के पिताजी चाहते थे कि प्रीति अपना ध्यान सीखने में लगाए ताकि उन्हें अपनी दृष्टिहीनता अनुभव न हो सके । इसके लिए पहले वे	3

स्वंय किसी क्रिया को करते, फिर उसे प्रीति को सिखाते । वे उसे वस्तुओं, रंगों को देखने और पहचानने के लिए प्रेरित करते । इससे दिखनेवाली हर वस्तु की स्मृति, छवि को स्वीकार और ग्रहण करने की प्रीति जी की मेहनत रंग लाने लगी ।

इस प्रकार आँख की बीमारी का पता चलने पर इस परिस्थिति का सामना उसके (प्रीति मोंगा के) परिवारवालों ने गंभीर संकटों के प्रति भी सामान्य बने रहकर किया । जिससे प्रीति जी दुख और निराशा के गहरे अँधेरे में खोने से बच गई ।

ऊ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए :

1. चपरासी के अनुसार हफ्ते के रेट दूधवालों द्वारा अधिक पानी डालने पर बढ़ेंगे । **1**
2. चपरासी दूधवाले को दूध में अधिक पानी मिलाते रहने के लिए उकसाता है । **1**
3. चपरासी मिल - जुलकर किए जाने वाले लेन - देन रूपी भ्रष्टाचार को भ्रष्टाचार नहीं मानते हुए सामूहिक भ्रष्टाचार का समर्थन करता है । **1**

उ.2. क) निम्नलिखित पद्यपंक्तियों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित पद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए :

1. क्षितिज अटारी गहराई **दामिनी** दमकी । **1**
2. रक्त वर्षों से **नसों** में खौलता है । **1**
3. गुण ही जन - मन **किरीट**, ताज हो । **1**

ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए :

1. जीवन रूपी झरने के दोनों तीर सुख और दुख हैं । **1**
2. हम विकास में अभिन्न और विनाश में विभिन्न हो गए थे । **1**
3. ब्रज की नारियाँ यशोदा माँ को ताना देती हैं कि उन्होंने ऐसे नटखट बच्चे को किस तरह जन्म दिया है । **1**

ग) निम्नलिखित पठित पद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए :

1. जन-मन को अब पीड़न और अन्याय नहीं सहना चाहिए । **1**
2. समाज में शोषित लोग शेष नहीं रहने चाहिए । **1**
3. यह पद्यांश 'जनगीत' पद्य से लिया गया है । **1**

घ) निम्नलिखित पठित पद्यखंड का सरल गद्यार्थ लिखिए :

भावार्थ : इस पद्यांश में बालक कृष्ण माता यशोदा से खेलने के लिए चंद्रमा को ही खिलौने के रूप में पाने का हठ करते हैं । **3**

बालक कृष्ण माँ यशोदा से कहते हैं कि माँ मुझे खेलने के लिए चंद्रमा का खिलौना चाहिए । जब तक तुम मुझे खेलने के लिए चंद्रमा लाकर नहीं दोगी, तब तक मैं सफेद गाय का दूध नहीं पीऊँगा । इतना ही नहीं मैं अपनी वेणी (चोटी) भी नहीं गुँथवाऊँगा ।

ड़) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए :

1. सुप्रसिद्ध कवि 'सूरदास' जी ने 'सूरदास के पद' कविता में ब्रज की नारियों द्वारा माँ यशोदा से बालक कृष्ण की शिकायत मक्खन चुराने की शिकायत करने तथा बालक कृष्ण द्वारा चंद्र खिलौना पाने का हठ करने पर माँ यशोदा द्वारा कृष्ण को बहलाने का सुंदर सजीव चित्रण किया है। **3**

जब कृष्ण यशोदा माँ से चंद्रमा का खिलौना पाने की जिद पर अड़ जाते हैं तब यशोदा माँ कृष्ण को खुश करने के लिए उनके कान में कुछ कहती हैं। वह कृष्ण को ब्याह का लालच देते हुए कहती हैं कि मैं चाँद से भी अधिक सुंदर तथा नई - नवेली दुल्हन से तेरा ब्याह कराऊँगी और इसके बारे में दाऊ को मैं कुछ नहीं बताऊँगी। यह बात सुनकर कृष्ण प्रसन्न हो जाते हैं। वह कहते हैं कि मेरी बात सुनो माँ, तेरी सौगंध मैं अभी ब्याह करने जाऊँगा। सभी ग्वाले साथी मेरे बाराती होंगे और तुम मेरे लिए मंगल गीत गाना।

इस प्रकार यशोदा कृष्ण को ब्याह का लालच दिखाती हैं जिससे कृष्ण प्रसन्न हो जाते हैं।

2. संतकवि 'कबीरदास' जी ने 'कबीर के दोहे' कविता के माध्यम से संतोष, अतिथि - सेवाभाव, गुरु के महत्त्व तथा दान की महत्ता को बताया है। **3**

मनुष्य की इच्छाएँ अनंत होती हैं। अपनी अनियंत्रित इच्छाओं के कारण वह किसी भी चीज से पूर्णतया संतुष्ट नहीं होता। यही कारण है कि सारी सुख-संपत्ति होते हुए भी वह दुखी रहता है। कबीर कहते हैं कि संतोष सबसे बड़ा सुख है। हे ईश्वर, मुझे उतना ही दीजिए, जिससे मैं अपने पूरे परिवार का पालन-पोषण कर सकूँ। मैं स्वयं भूखा न रहूँ और मेरे दरवाजे पर आया हुआ सज्जन भी भूखा न रहे। अर्थात खाली हाथ वापस न लौट जाए।

इस प्रकार कबीर जी ने ईश्वर से जीवन चलाने हेतु केवल उतना ही माँगा है, जिससे अपना तथा अपने परिवार का पालन - पोषण कर सके तथा घर आए साधु का सम्मान कर सके।

3. गजलकार 'दुष्यंत कुमार' जी ने 'मत कहो, आकाश में कुहरा घना है' गजल में आम आदमी के दबकर और घुटकर जीने की वजहों को अभिव्यक्ति दी है। **3**

दुष्यंत कुमार जी ने परिस्थितियों पर कठोर प्रहार करते हुए जनता के दुख - दर्द को वाणी प्रदान की हैं। आम जनता की परेशानियों की जड़ वर्तमान प्रशासनिक, राजनीतिक और सामाजिक अव्यवस्था है। ऐसे माहौल में यदि आम आदमी इस अव्यवस्था और कुशासन के प्रति अपनी आवाज बुलंद करता है तो इसी अव्यवस्था के पुजारी उसकी आवाज को यह कहकर मौन कर देते हैं कि उसे किसी की व्यक्तिगत आलोचना नहीं करनी चाहिए। किसी पर व्यक्तिगत आरोप लगाना अनुचित माना जाता है। यदि कोई सच्चाई जानने की भी कोशिश करता है तो उससे कहा जाता है कि आप सच्चाई जानने के लिए इतने इच्छुक और उतावले क्यों हैं ? सच्चाई रूपी सूर्य के उजाले में अव्यवस्था, भ्रष्टाचार रुपी दलदल देखकर आप क्या कर लेंगे ? सच जान लेने से ही आपकी समस्याएँ समाप्त नहीं हो जाएगी। यहाँ की अव्यवस्था के भ्रष्टाचार रूपी कीचड़ में सभी आकंठ डूबे हुए हैं। सभी क्षेत्रों में प्रशासनिक अव्यवस्था का ही बोलबाला है। ऐसे माहौल में सच बोलना खतरे से खाली नहीं है। परदे के पीछे ही सच बोलकर अपने अभिव्यक्ति के अधिकार को सुरक्षित रखा जा सकता है।

इस प्रकार गजलकार दुष्यंत कुमार जी ने आम आदमी की मजबूरियों को राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक अव्यवस्था के प्रति व्यंग्यात्मक ढंग से अभिव्यक्त किया है।

उ.**3.** **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पूरक पाठों के आधार पर 70 - 80 शब्दों में लिखिए :**

1. सुप्रसिद्ध लेखक 'हरिशंकर परसाई' जी ने 'अपनी - अपनी बीमारी' पाठ में अमीरी और गरीबी में अंतर को अपने हास्य - व्यंग्यात्मक तरीके से बताने का प्रयास किया है। **4**

लेखक परसाई जी के अनुसार संसार में लोग अलग - अलग दुखों से दुखी हैं। लेखक के एक परिचित बंधु बहुत ही दुखी और उदास थे। लेखक ने उनकी पीड़ा को व्यक्त करते हुए बताया है कि उन्होंने आठ कमरोंवाले मकान को बनाने की योजना बनाई थी। मगर आर्थिक कारणों से उनकी इस बढ़िया योजना पर पानी फिर गया। वैसे छह कमरे बन चुके थे लेकिन शेष दो कमरों के निर्माण में पैसों के अभाव में रुकावट आ गई थी। उस योजना के साकार होने की अब कोई उम्मीद नहीं बची है। लेखक भी उस बंधु के दुख से दुखी होना चाहता है लेकिन वह भी अपने निजी दुखों से चिंतित है।

इस प्रकार आठ कमरोंवाले मकान की अभिलाषा रखने वाले बंधु को दो कमरों के लिए आर्थिक सहायता न मिल पाने के दुख की बीमारी थी।

2. रामकृष्ण परमहंस के पास एक ऐसा व्यक्ति उनका शिष्य बनने के लिए आया, जिसके घर में उसकी बेसहारा बूढी माँ थी। रामकृष्ण ने उससे पूछा कि वह गुरुमंत्र लेकर साधु बनने का इच्छुक क्यों है? उसने उत्तर दिया कि वह संसार की मोहमाया से मुक्त होना चाहता है। रामकृष्ण ने उसे समझाते हुए कहा कि तुम्हारी सच्ची मुक्ति अपनी बूढ़ी माँ की सेवा करने में ही है। हो सकता है कि इसी मार्ग पर चलकर तुम्हें मुक्ति भी मिल जाए। **4**

इस प्रकार रामकृष्ण परमहंस ने शिष्य बनने के लिए आए हुए नवयुवक को मुक्ति का सुलभ मार्ग बतलाया।

3. सुप्रसिद्ध लेखिका गौरा पंत 'शिवानी' जी ने 'गंगा बाबू हैं कौन ?' पाठ में एक ऐसे व्यक्तित्व का वर्णन किया है जो अनेकानेक संस्मरणों का जीता - जागता शब्दकोश है। **4**

लक्खी सराय का बालिका विद्यापीठ किऊल रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर स्थित था। विद्यापीठ जाने के लिए उस जनहीन बीहड़ स्टेशन पर उतरकर मोटर मार्ग द्वारा जाना पड़ता है। किऊल से लक्खी सराय का मोटर मार्ग भी निरापद नहीं है। यहाँ आए दिन डाके पड़ते ही रहते हैं। इसलिए विद्यापीठ की बालिकाओं की विदाई के अवसर पर आमंत्रित करते समय लेखिका को अनुरोध किया गया कि यात्रा कठिन अवश्य है, संभवतः आपको कष्ट भी होगा किंतु चिंता की कोई बात नहीं है। कुछ सहयोगी कार लेकर किऊल सटेशन पर उपस्थित रहेंगे। लक्खी सराय का बालिका विद्यापीठ प्रथम राष्ट्रपति बाबू राजेंद्र प्रसाद जी की प्रिय शिक्षण - संस्था रही है। यहाँ की बालिकाएँ शिक्षा पूर्ण के बाद जब विदा लेती हैं, तो उन्हें उसी स्नेह और आत्मीयता से विदा किया जाता है, जैसे पुत्री को मायके से विदा किया जाता है। बालिकाओं के विदाई कार्यक्रम पर अक्सर किसी प्रसिद्ध साहित्यकार को अध्यक्षता के लिए आमंत्रित किया जाता है। गत वर्ष महादेवी जी पधारी थीं। उनके हाथ का लगा वृक्ष जिस अहाते में है, इस वर्ष विदा हो रही बालिकाओं की हार्दिक इच्छा थी कि उसी वृक्ष के पास में लेखिका के हाथों से लगा वृक्ष भी लहलहाएँ।

इस प्रकार लक्खी सराय के बालिका विद्यापीठ की संक्षिप्त जानकारी दी गई है।

4. लेखक 'प्रेमानंद चंदोला' जी ने 'तुलसी का बिरवा' पूरक पठन पाठ में तुलसी के धार्मिक, सामाजिक व औषधीय महत्त्व को दर्शाया है। **4**

तुलसी धार्मिक व सामाजिक दोनों दृष्टि से लाभकारी पौधा है। भारतीय स्त्रियाँ इस पौधे को गमले, कनस्तर, बगिया या घर आँगन के कोने में लगाती हैं। वे सुबह उठकर नहा-धोकर तुलसी में जल अर्पण करती हैं, पूजा परिक्रमा करती हैं। उस पर धूप - दीप, नैवेद्य- रोली और अक्षत चढ़ाती हैं। चरणामृत में तुलसी के पत्ते डालना अनिवार्य होता है। पूजा के जलपात्र में पानी के साथ तुलसी का पत्ता भी देवताओं को चढ़ाया जाता है। मृत्यु के समय व्यक्ति के मुख में तुलसी का पत्ता रखा जाता है। जनेऊ और चूड़ियाँ टूट जाने पर उन्हें तुलसी को पवित्र मान उसके पास रखा जाता है। कुछ लोग जिनकी लड़कियाँ नहीं होती तुलसी का विवाह रचाकर ही कन्यादान का पुण्य प्राप्त करते हैं। छोटे बच्चे या शिशुओं को हिचकी लगते समय इसकी पत्ती की एक बिंदी बच्चे के माथे पर लगा देते हैं। गंदे स्थानों या कीटाणुओं वाली जगहों से लौटने के बाद लोग तुलसी की पत्ती मुँह में रखकर चबा लिया करते हैं।

इस प्रकार तुलसी का धार्मिक महत्त्व जितना है, उतनी ही उसकी सामाजिक उपयोगिता भी है।

अथवा

निम्नलिखित पठित पूरक पाठों में से <u>किसी एक</u> का सार लिखिए :

1. **अपनी - अपनी बीमारी -** **8**

सुप्रसिद्ध लेखक 'हरिशंकर परसाई' जी ने 'अपनी - अपनी बीमारी' पाठ में अमीरी और गरीबी में अंतर को अपने हास्य - व्यंग्यात्मक तरीके से बताने का प्रयास किया है।

'अपनी - अपनी बीमारी' पाठ में परसाई जी ने लोगों की अपनी - अपनी परेशानी को सटीक हास्य - व्यंग्य शैली में प्रस्तुत किया है। लेखक के अनुसार इस संघर्षपूर्ण संसार में किसी व्यक्ति का जीवित रहने के लिए संघर्ष जारी है तो किसी व्यक्ति का संघर्ष अपनी संपन्नता को बनाए और बचाए रखने के लिए है। धनी वर्ग अंतहीन टैक्स की बीमारी से जकड़ा हुआ है। पुस्तक - विक्रेता बंधु पुस्तकों की कम बिक्री से दुखी है। गांधी - प्रतिष्ठान में कार्यरत ईमानदार व्यक्ति वहाँ की बेईमानी से व्यथित है। आठ कमरोंवाले मकान का निर्माता पैसों के अभाव में छह कमरे ही बना पाने के कारण दुखी है। एक अन्य व्यक्ति को रोटरी मशीन आ जाने के बाद मोनो मशीन मिलने में हो रही परेशानी का दुख है। लेखक भी अपने बिजली के बिल को ना भर पाने की समस्या से परेशान है। लेखक ने बड़े अमीरों से अनुरोध किया है कि वे अपने धन का कुछ हिस्सा भी यदि दान कर दें तो गरीबों को इससे बड़ी मदद मिलेगी और बड़े अमीरों को भी भारी टैक्स की बीमारी से मुक्ति मिल जाएँगी।

इस प्रकार प्रस्तुत पाठ 'अपनी - अपनी' बीमारी में समाज के भिन्न - भिन्न वर्ग के लोगों की कठिनाईयों पर प्रकाश डालना ही लेखक का उद्देश्य है।

2. **तुलसी का बिरवा** **8**

लेखक 'प्रेमानंद चंदोला' जी ने 'तुलसी का बिरवा' पूरक पठन पाठ में तुलसी के धार्मिक, सामाजिक व औषधीय महत्त्व को दर्शाया है।

भारतवासियों को जिन चीजों से लाभ होता है, वे उनकी पूजा करना नहीं भूलते । यही कारण है कि भारत के अधिकांश घरों में तुलसी का पौधा पाया जाता है । स्त्रियाँ तुलसी का विवाह भी रचाती हैं । ईसाई धर्म के लोग भी तुलसी को पवित्र मानते हैं । इटली और ग्रीस के लोगों को तुलसी के गुणों की जानकारी पहले से है । संत बेसिल दिवस पर स्त्रियाँ तुलसी की डालियाँ गिरजाघर में ले जाती है और घर वापस आने पर उन टहनियों को फर्श पर बिखेर देती हैं । जिससे आने वाला वर्ष लाभकारी हो । तुलसी के 'बेसिल, सेक्रेट बेसिल', 'बसिलिकोन', 'ओसिमम सैक्टम तथा 'ल पलांति रोयली' आदि अनेक नाम हैं । भारतवासी खाँसी, सर्दी, जुकाम गले की बीमारियों तथा मलेरिया जैसे रोगों में तुलसी के पत्तों का गर्म पानी या चाय के रूप में उपयोग करते हैं । इसकी मंजरी का उपयोग भी बीमारियों में किया जाता है । इसकी तेज सुगंध कीटाणुओं को नष्ट कर देती है । इससे कीट - पतंगे और मच्छर दूर भाग जाते हैं ।

वैज्ञानिकों के अनुसार तुलसी रोगाणुओं तथा संक्रमण को रोकती है । कुछ वर्ष पूर्व दिल्ली के एक वैज्ञानिक अनुसंधान ने खोज कर बताया कि तुलसी के तैलीय पदार्थ से टी. बी. (यक्षमा) जैसे रोगों का नाश हो जाता है । भारतवासी धार्मिक कार्यों में भी तुलसी के पत्ते का प्रयोग करते हैं । चरणामृत तथा देवताओं को चढ़ाए जानेवाले जल में भी तुलसी का पत्ता अवश्य डालते हैं । अभी इस क्षेत्र में वैज्ञानिकों द्वारा और भी अनुसंधान की जरूरत है ।

उ.4 **च) निम्नलिखित शब्दों में से <u>किसी एक</u> शब्द का स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए :**

1. साथ - रमेश राजू के <u>साथ</u> पाठशाला जाता है । **1**
2. अथवा - तुम पढ़ाई करो <u>अथवा</u> खेलने जाओ । **1**

छ) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद लिखिए :

1. हाँ - अव्यय **1**
2. श्वेत - विशेषण **1**

ज) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए :

1. राजकुमार <u>ने</u> घोड़ा <u>भगाया है</u> । **1**
2. <u>उन्होंने</u> गर्व महसूस <u>किया था ।</u> **1**

झ) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए :

1. ली (लेना) सहायक क्रिया । **1**
2. लगा (लगना) सहायक क्रिया । **1**

अथवा

निम्नलिखित क्रियाओं में से <u>किसी एक</u> क्रिया का सहायक क्रिया के रूप में अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

1. वाक्य - पता नहीं दुष्ट कहाँ जा <u>मरा</u> ? **1**
2. वाक्य - राम चलते हुए गड्ढे में जा गिरा । **1**

ट) **निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए : लिखिए ।**

मूल क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
देखना	दिखाना	दिखवाना
गिरना	गिराना	गिरवाना

1) **1**

2) **1**

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रियारूप छाँटकर उसका प्रकार लिखिए :

1. बजाई - प्रथम प्रेरणार्थक रूप **1**
2. भिजवाया - द्वितीय प्रेरणार्थक रूप **1**

ठ) **निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए:**

1. तुम पश्चिम की ओर जाओ । **1**
2. सबने आखिर चैन की साँस ली । **1**
3. यह बड़े फलों का बाग है । **1**

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों के लिए योग्य विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए:

1. मैंने कहा, ''भैया मत रोओ, सिर दुखेगा ।'' **1**
2. इसे संस्कृत में 'किंशुक' (क्या यह शुक है ?) कहा गया है । **1**
3. ये बरगद, नीम, पीपल आदि के समान फैले हुए होते हैं । **1**

(ड) **निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं तीन मुहावरों के हिंदी में अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण एवं स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए:**

1. **जान के लाले पड़ना** – प्राण संकट में होना । **1**
   वाक्य : शिकारी के जाल में फँसी हुई चिड़िया की जान के लाले पड़ गए ।
2. **निगाह तक न डालना** – बिल्कुल ध्यान न देना । **1**
   वाक्य : ईमानदार अधिकारी रिश्वत की ओर निगाह तक नहीं डालते हैं ।
3. **मन अकुला उठना** – मन में बेचैनी पैदा होना । **1**
   वाक्य : घर में अकेले होने पर छोटे बच्चों का मन अकुला उठता हैं ।
4. **बस चलना** – काबू में होना । **1**
   वाक्य : जेल में कैदियों पर जेलर का ही बस चलता है ।
5. **मोल लेना** – दाम देकर खरीदना । **1**
   वाक्य : राकेश ने कुछ दिनों पहले ही एक भैंस मोल ली थी ।

अथवा

	निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं तीन</u> वाक्यों में अधोरेखांकित वाक्यांशों के बदले कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से योग्य मुहावरे का प्रयोग करके शुद्ध वाक्य फिर से लिखिए : **(पैर पकड़ना, ताँता बँधा रहना, सिहर उठना, कान खड़े रहना, जान में जान आना)**	
1.	गाँधीजी के दर्शन के लिए आश्रम में हमेशा लोगों का **<u>ताँता बँधा रहता था ।</u>**	**1**
2.	मानसून की वर्षा आरंभ हुई तब कहीं जाकर किसानों की **<u>जान में जान आई</u>** ।	**1**
3.	सीमा पर देश की रक्षा के लिए हमारे जवानों के **<u>कान खड़े रहते हैं ।</u>**	**1**
4.	एकाएक डाकू को सामने देखकर मुनीम **<u>सिहर उठा ।</u>**	**1**
5.	मोहन ने अपनी गलती के लिए पिता के **<u>पैर पकड़ लिए ।</u>**	**1**
उ.**5**.	**निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर लगभग 150- 200 शब्दों तक निबंध लिखिए :**	
1)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.125 - Q.30	**10**
2)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.117 - Q.21	**10**
3)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No. 100 - Q.5	**10**
4)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No. 131 - Q.36	**10**
उ.**6**.	**(त) निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से <u>किसी एक</u> पत्र का प्रारूप (नमूना) लिफाफे सहित तैयार कीजिए :**	
1)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No.190 - Q.7	**4**
2)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 185 - Q.2	**4**
	(थ) निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए । यह भी दर्शाइए कि उससे क्या सीख मिलती है । Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 201 - Q.4	**4**
	(द) निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे <u>चार प्रश्न</u> तैयार कीजिए, जिनके उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में हो : Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4 - Page No. 84 - Q.11	**4**

❐❐❐❐❐